भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 924
दिनांक 08 फरवरी, 2024

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना

†924. श्री राजेन्द्र धेड्या गावित:
श्री सुनील बाबूराव मेंढे:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत 9.5 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन संवितरित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में रसोई गैस कवरेज बढ़ाने के लिए पीएमयूवाई के माध्यम से अपनाई गई रणनीतियों और प्रयासों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस पहल ने किस तरह से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और परिवारों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण परिवारों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) जी हां। दिनांक 31.01.2024 की स्थिति के अनुसार पूरे देश में 10.15 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन जारी किए गए हैं।

(ख) पूरे देश में गरीब परिवारों को स्वच्छ रसोई ईंधन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मई, 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) शुरू की गई थी। पीएमयूवाई के तहत निर्धारित मानदंडों के अनुसार गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाए जाते हैं। देश में एलपीजी कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से पीएमयूवाई को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने, कनेक्शनों के लिए पंजीकरण करने और कनेक्शन वितरित करने के लिए मेलों और शिविरों का आयोजन, आउट आफ होम (ओओएच) होर्डिंगों, रेडियो जिंगल्स, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैनों के माध्यम से बढ़ावा, अन्य पारंपरिक ईंधनों के स्थान पर एलपीजी के इस्तेमाल तथा एलपीजी के सुरक्षित इस्तेमाल के फायदों के बारे में एलपीजी पंचायतों के माध्यम से जागरूकता फैलाने, विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पंजीकरण/जागरूकता शिविरों, आधार पंजीकरण और पीएमयूवाई कनेक्शन प्राप्त करने के लिए बैंक खाते खोलने के लिए उपभोक्ताओं और उनके परिवारों की सहायता, www.pmuy.gov.in, निकटतम एलपीजी वितरकों, कॉमन सर्विस सेंटरों (सीएससी) केंद्र आदि पर पीएमयूवाई कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन, 5 कि.ग्रा. डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) का विकल्प, 14.2 कि.ग्रा. का सिलिंडर बदलकर 5 कि.ग्रा. सिलिंडर लेने का विकल्प, प्रवासी परिवारों के लिए पते के प्रमाण तथा राशन कार्ड के स्थान पर स्व-घोषणा करके नया कनेक्शन प्राप्त करने का प्रावधान आदि सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं।

(ग) स्वतंत्र अध्ययनों और रिपोर्टों के अनुसार पीएमयूवाई योजना का ग्रामीण परिवारों खास तौर से महिलाओं तथा ग्रामीण और दूर दराज के क्षेत्रों में रह रहे परिवारों के जीवन पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ प्रमुख फायदे संक्षेप में नीचे स्पष्ट किए गए हैं:-

(i) पीएमयूवाई के परिणामस्वरूप खाना बनाने के उन पारंपरिक तरीकों को छोड़ दिया गया है जिनमें लकड़ी, गोबर और फसल अपशिष्टों जैसे ईंधनों को जलाना शामिल था। अपेक्षाकृत अधिक स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल से घरों में होने वाला वायु प्रदूषण कम हुआ है जिससे विशेष रूप से उन महिलाओं और बच्चों का श्वसन संबंधी स्वास्थ्य बेहतर हुआ है जो पारंपरिक तरीकों से खाना बनाने के दौरान धुंएं के संपर्क में ज्यादा आते हैं।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों खास तौर से दूर दराज के स्थानों में रह रहे परिवार अपना अधिकांश समय और ऊर्जा पारंपरिक रसोई ईंधन इकट्ठा करने में खर्च करते हैं। एलपीजी से गरीब परिवारों की महिलाओं द्वारा खाना बनाने में होने वाली नीरसता और इसमें लगने वाले समय में कमी आई है। इस प्रकार उन्हें फुरसत का समय उपलब्ध है जिसका उपयोग वे आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कर सकते हैं।

(iii) बायोमास और पारंपरिक ईंधनों के स्थान पर एलपीजी का इस्तेमाल करने से खाना बनाने के प्रयोजनों के लिए लकड़ी तथा अन्य बायोमास पर निर्भरता कम हुई है जिससे वनों की कटाई तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में कमी आई है। इससे न केवल परिवारों को फायदा मिलता है अपितु व्यापक तौर पर किए जाने वाले पर्यावरण संरक्षण संबंधी उपायों में भी इसका योगदान है।

(iv) खाना बनाने के लिए एलपीजी के इस्तेमाल से खुली आग से होने वाली दुर्घटनाओं का जोखिम कम होता है जो खास तौर से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। खाना बनाने के पारंपरिक तरीके से जुड़ी आग से जलने और चोट लगने की दुर्घटनाएं कम हुई हैं जिससे अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित पारिवारिक माहौल बना है।

(v) खाना बनाने की बेहतर सुविधाओं से पोषण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है परिवार आसानी से अनेक प्रकार के पोषक भोजन पका सकते हैं और अपने समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

*****